स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ४५ वि.सं. २०८३ भदौ १४ गते अँट्वार थारु सम्वत (२६४९) [Sunday 30 August 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

शिक्षा क्षेत्रमे समानुपातिक बजेट विनियोजन करजाइ : मुख्यमन्त्री भट्ट

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १३ भदौ । सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री खगराज भट्ट गुणस्तरीय शिक्षा सुधारके लाग समानुपातिक ओ आवश्यकताके आधारित बजेट विनियोजन कैना बटैले बटै । कैलालीके धनगढीमे शनिच्चरके आयोजित प्रदेशस्तरीय विद्यालय दिवा खाजा सम्मेलनमे उहाँ विद्यालयके भौतिक पूर्वाधारसँगे प्रविधिके प्रयोगमार्फत गुणस्तरी शिक्षा प्रवर्द्धनमे जोड डेहे पर्ना बटैलै ।

मुख्यमन्त्री भट्ट सरकारसे अभिभावकके सहजता ओ विद्यार्थीहे पुषणयुक्त खाजासहित प्रभावकारी रूपमे शिक्षा प्रदान कैना आघे सारल योजनामे साथ डेना सबके जिम्मेवारी रहल धारणा राखल रहिट । उहाँ विद्यालय दिवा खाजा कार्यक्रमहे थप व्यवस्थित, प्रभावकारी ओ परिणाममुखी बनैना आवश्यक रहल बटैलै ।

मुख्यमन्त्री भट्ट कहलै, "भुख्ले पेट पहिले शिक्षा नैहोके, खाना खोजठ् । ओहेमारे विद्यालयमे अध्ययन करुइया बालबालिकाके पोषण ओ शिक्षाहे सँगसँगे आघे बह्राइक लाग दिवा खाजा कार्यक्रमहे थप व्यवस्थित बनाइ परल ।" उहाँ शिक्षा क्षेत्रमे बजेटके असमान वितरणके कारण समानुपातिक विकास हुइ नैसेकल उल्लेख कैटी वर्तमान सरकारसे ओइसीन अवस्था अन्त्यके लाग पहलकदमी लेना बटैलै ।

"कतै आवश्यकतासे ढेर भौतिक संरचना निर्माण हुइना मने कतिपय विद्यालयमे आधारभूत पूर्वाधारसमेत अभाव हुइना असमान अवस्थाहे अन्त्य करे पर्ना बा । आब ओइसीक बजेट वितरण नैहुइ परल । आवश्यकता ओ औचित्यके आधारमे समानुपातिक विकासमे जोड डेहे परी", उहाँ कहलै । मुख्यमन्त्री भट्ट प्रदेशमे विकास बजेटके प्रभावकारी कार्यान्वयनसँगे सुशासन कायम कैना सञ्चार क्षेत्रके भूमिका महत्त्वपूर्ण रहल बटैलै । उहाँ सञ्चारकर्मीहे सुशासनके पक्षमे साथ डेना तथा सरकारके कामकारबाहीमे निरन्तर खबरदारी कैना आग्रहसमेत करलै ।

निजी अस्पतालहुकनसे लाखौंके सहयोग

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १३ भदौ । रसुवा जिल्लामे आइल विनाशकारी बाढसे भारी जनधनके क्षति हुइलपाछे सरकारसे सहयोगके लाग करल आह्वानमे धनगढीके निजी अस्पतालफे सहयोगमे जुटल बटै ।

धनगढीकके निसर्ग अस्पताल, कैलाली अस्पताल, मायामेट्रो अस्पताल, नवजीवन अस्पताल ओ केयर टेकर अस्पतालसे मानवीय सेवाके भावनासहित प्रधानमन्त्री दैवी प्रकोप उद्धार कोषमे आर्थिक सहयोग जम्मा करल हुइट ।

सहयोग कैना अस्पतालमे निसर्ग अस्पतालसे रु. ११ लाख ११ हजार १११, मायामेट्रो अस्पतालसे रु. ३ लाख ११ हजार १११, नवजीवन अस्पतालसे रु. २ लाख २२ हजार २२२, कैलाली अस्पतालसे रु. १ लाख ११ हजार १११ ओ केयर टेकर अस्पतालसे रु. १ लाख १ हजार १०१सहयोग करले बटै । अइसिक पाँच ठो अस्पतालसे केल्ह कुल रु. १८ लाख ५६ हजार ६५६ प्रधानमन्त्री दैवी प्रकोप उद्धार कोषमे जम्मा हुइल बा ।

निसर्ग अस्पतालके अध्यक्ष तीर्थराज पन्त विपत्तिके समयमे पीडित नागरिकके साथमे ठरहयीना *(बाँकी ४ पेजमे)*

बाढपीडितहे प्राकृतिक स्रोत द्वन्द्व रूपान्तरण केन्द्रके राहत

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १३ भदौ । बाढ तथा विपद्के कारण प्रभावित बनल रसुवाके नागरिकहे प्राकृतिक स्रोत द्वन्द्व रूपान्तरण केन्द्र नेपालसे राहत सामग्री सहयोग करले बा ।

विपदमे परल परिवारके तत्कालीन आवश्यकता पूरा कैना संस्थासे टमान मेरिक खाद्यान्न तथा दैनिक उपभोग्य सामग्री उपलब्ध कराइल हो ।

२०८३ भदौ १२ गते श्री नं. १ सैन्य तालिम केन्द्र, मैधली शिविर, त्रिशूलीमे राहत सामग्री हस्तान्तरण करल रहे । बाढपीडितके लाग आवश्यक पर्ना सामग्री संकलन करके सैन्य तालिम केन्द्रमार्फत प्रभावित समुदायसम पुगैना व्यवस्था करल संस्थासे जनौले बा ।

संस्थासे उपलब्ध कराइल राहत सामग्रीमे पोलार ब्लाङ्केट, खैनातेल, भाँडा धुइना साबुन, नोन, गरम मसला, चिउरा, दालमोठलगायतके खाद्य सामग्री बटै । ओस्टेक करके मञ्जन, दाँत मिस्ना ब्रस, लहैना साबुन ओ इपिइफोमसमेत वितरण करल बा ।

उपलब्ध विवरणअनुसार राहत सामग्रीमे १२० थान पोलार ब्लाङ्केट, पाँच कार्टुन तेल, तीन बाक्सा भाँडा धुइना साबुन, दुई बोरा नोन, १० केजी गरम मसला, पाँच बोरा चिउरा ओ दुई बोरा दालमोठ बटै । ओस्टे १०० थान मञ्जन, १०० थान दाँत मिस्ना ब्रस, १०० थान लहैना साबुन ओ दुई बन्डल इपिइ फोम सहयोग करल बा ।

राहत सामग्री श्री नं. १ सैन्य तालिम केन्द्रके सहसेनानी दजिल जंग शाही बुझले रहिट । प्राकृतिक स्रोत द्वन्द्व रूपान्तरण केन्द्र नेपालके कार्यकारी निर्देशक चुप बहादुर थापा राहत सामग्री हस्तान्तरण करल हुइट ।

कार्यकारी निर्देशक थापासे विपद्के बेला प्रभावित नागरिकके साथमे ठरहयइना सक्कुहुनके साझा जिम्मेवारी रहल बटैलै । बाढपहिरो जैसिन प्राकृतिक विपत्तिसे नागरिकके घरपरिवार, खाद्यान्न ओ दैनिक जीवनमे भारी असर पर्ना हुइल ओरसे तत्काल राहत तथा सहयोग आवश्यक पर्ना उहाँक कहाई बा ।

"विपत्तीमे परल ओरसे सहयोग कैना मानवीय धर्म हो," थापा कहलै । विपदके समयमे पीडितके पीडा कम कैना सरकारी निकाय, सुरक्षा निकाय, सामाजिक संस्था तथा नागरिक समाजबीच सहकार्य आवश्यक रहल उहाँ बटैलै ।

उहाँक अनुसार राहत सामग्रीले प्रभावित परिवारहे छोट सहयोग पुग्न बा । विपद्पाछे प्रभावित नागरिकके जीवन सामान्य अवस्थामे लौटैना राहतसंगे पुनःस्थापना, पुनर्निर्माण ओ दीर्घकालीन सहयोगमे समेत ध्यान डेहेपर्ना आवश्यकता रहल उहाँ बटैलै ।

रसुवाके टमान क्षेत्रमे बाढ तथा पहिरोके कारण जनजीवन प्रभावित हुइना करल बा । वर्षायाममे नदी तथा खोलामे पानीके बहाव बह्रेबेर तटीय क्षेत्रमे बसोबास कैना परिवार जोखिममे पर्ना करल बा । सडक, पुल तथा अन्य भौतिक संरचनामे क्षति पुगेबेर प्रभावित क्षेत्रमे राहत तथा अत्यावश्यक सामग्री पुगैनासमेत कठिनाइ हुइना करल बा ।

अइसिन अवस्थामे स्थानीय तह, सुरक्षा निकाय, *(बाँकी ४ पेजमे)*

सार्वजनिक यातायातको मर्यादित प्रयोग गरौं

- सार्वजनिक यातायातका साधनको जिम्मेवारीपूर्वक प्रयोग गरौं,
- सवारी चढ्ने र ओर्लने क्रममा सडक अनुशासन र पालोको पालना गरौं,
- ज्येष्ठ नागरिक, गर्भवती महिला, अपाङ्गता भएका व्यक्ति तथा बालबालिकालाई प्राथमिकता दिऔं,
- सार्वजनिक यातायातमा धूम्रपान गर्ने, फोहोर फाल्ने तथा होहल्ला गर्ने कार्य नगरौं,
- चालक तथा सहचालकसँग सभ्य र सम्मानजनक व्यवहार गरौं,
- चालक तथा सहचालकले यात्रुसँग सभ्य र सम्मानजनक व्यवहार गरौं,
- सवारी साधनको क्षमता भन्दा बढी यात्रु नचढौं/नचढाऔं,
- ट्राफिक नियमको पालना गरी सुरक्षित यात्रामा सहयोग गरौं,
- सार्वजनिक सम्पत्तिको संरक्षण गर्दै स्वच्छ र सुरक्षित यात्रा संस्कृतिको विकास गरौं।

अनुशासित यात्रा गरौं, सुरक्षित गन्तव्यमा पुगौं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

छोट सुधार : भारी अनुभूति

विचार
नवराज ढकाल

"सुशासनके सबसे बलगर प्रमाण नीतिमे सुधार किल नाइहो, नागरिकसे अनुभव करना सहज सेवा हो । सेवा लेना आवश्यक कागजात, प्रक्रिया ओ लग्ना समय सुरुमे पटा पैना, एक कामके लाग कार्यालयमे कैचो जाइ नैपरना, कार्यालयमे खानेपानी, मोबाइल चार्जिङ पोइन्ट, शौचालय जस्टे मानवीय आवश्यकताके सामान्य सुविधा उपलब्ध हुइना, बिचौलिया नियन्त्रण हुइना जस्टे छोट मने आधारभूत बाटमे रहल सुधार नागरिकके लाग सार्वजनिक सेवामे हुइल वास्तविक ओ अनुभूत हुइना परिवर्तन हो ।"

सार्वजनिक सेवामे सुधार करना काम राज्य ओ नागरिकबिचके सम्बन्धहे सरल, पारदर्शी, उत्तरदायी ओ सम्मानजनक बनैना निरन्तर प्रक्रिया हो । यी एक दिनके अभियान वा नयाँ प्रविधिके प्रयोग किल नैहोके सेवा प्रवाह कत्रा प्रभावकारी बा वा सेवा प्राप्त कैके नागरिकसे कैसिन अनुभव करले बा वा सरकार नागरिकके लाग कत्रा लग्गे, हलि ओ संवेदनशील बा कना विषयसँग प्रत्यक्ष रूपमे सम्बन्धित रहठ । प्रशासनिक सुधार उच्च तहके भारी निर्णयसे किल नैहोक, एक सरकारी कार्यालयके ढोकामे नागरिकसे पैना सेवा ओ सेवा प्रदायकके व्यवहारसे ढेर अनुभूत रहठ । नागरिकसे सेवा लेहे गैलमे आवश्यक कागजातके स्पष्ट जानकारी पाइठ कि नैपाइठ, काम कहाँसे सुरु करना पटा रहठ कि नैरहठ, फाइल कहाँ पुगल कहिके बुझे सेक्ना कि नैसेक्ना, अनावश्यक रूपमे कैचो कार्यालय धाइ परना कि नैपरना ओ कर्मचारीसे ओकर समस्या सुनठ कि नैसुनठ- सामान्य डेखैना अइसिन विषयसे सेवा प्रवाहके अवस्था ओ सरकारप्रतिके नागरिकके धारणा निर्माण करठ ।

पाछेक महिनामे नेपाल सरकारसे सुशासन ओ सार्वजनिक सेवा प्रवाहहे प्राथमिकतामे ढैके टमान महत्वपूर्ण पहल आघे बहल बा । शासकीय सुधारसम्बन्धी एक सय कार्यसूची, सुशासन मार्गचित्र, शून्य बाँकी फाइल अभियान, कार्यप्रक्रिया पुनर्संरचना, डिजिटल सेवा विस्तार तथा प्रशासनिक पुनर्संरचना जस्टे पहल सुशासन ओ सेवा प्रवाह सरल, सहज सेवाग्राहीमैत्री शासन प्रणाली स्थापित करना उद्देश्यओर लक्षित डेखाइठ । आर्थिक वर्ष २०८३/८४ के बजेटसे समेत सार्वजनिक सेवा प्रवाह संयन्त्रहे प्रविधिमैत्री ओ जवाफदेही बनैना तथा प्रशासनिक संरचनाहे चुस्त बनैना नीति लेहल डेखाइठ ।

भारीसँगे छोट सुधार

सार्वजनिक प्रशासन सुधार कठिकिल हम्रे प्रायः नयाँ ऐन, नयाँ संगठन, नयाँ भवन, नयाँ सफ्टवेयर आदि सम्झठि । सार्वजनिक प्रशासन सुधारके सन्दर्भमे यकर अलावा नागरिकके सरकारी सेवा लेके व्यावहारिक ओ प्रक्रियाजन्य विषयके अनुभूति ओ सेवा डेना व्यक्तिके व्यवहार फेन ओत्रे महत्वपूर्ण रहठ । कबुकाल एक सूचना पार्टी ओ एक सहायता कक्षसे नागरिकके आधा डेना बचाइ सेकि । कागजात पेस करनाआघे पूर्वजाँच करना व्यवस्थासे दोसरचो कार्यालय आइपरना अवस्था रोके सेक्ना । जिम्मेवार कर्मचारीके नाम सार्वजनिक कैके जवाफदेहिता बहे सेकि । फाइलके अवस्था बटैना एक छोट सूचना वा टोकन प्रणालीसे अनिश्चित ओ भिड वा लाम घटाइ सेकि । सार्वजनिक सेवा प्रवाह सुधारके लाग 'कम खर्च (थप बजेट विनियोजन नैकैके) उच्च प्रभाव' सुधार कार्ययोजना अन्तर्गत नयाँ संरचना वा थप बजेटके व्यवस्था नैकैके उपलब्ध जनशक्ति, कार्यालय स्थान, सूचना प्रणालीहे पुनः व्यवस्थित कैके नागरिक छोट समयमे अनुभव करे सेक्ना सुधार नाने सेकि ।

> सरकारके नीति, कार्यक्रम ओ अभियानके अन्तिम परीक्षा नागरिकके सरकारसे डेना सेवा प्राप्त करल अनुभव हो । शासकीय सुधारके एक सय कार्यसूची, सुशासन मार्गचित्र, शून्य बाँकी फाइल अभियान, कार्य प्रक्रिया पुनर्संरचना, डिजिटल सेवा विस्तार ओ प्रशासनिक पुनर्संरचना जस्टे पहल नागरिकसे कार्यालयमे परिवर्तनके अनुभूति करलमे किल सार्थक रठैं । बदलटि नेपालहे आब केवल सरकारसे का घोषणा करी ? कना प्रश्नसे नैपुगठ । नागरिकसे पुछल प्रश्न और सरल बा-मोर काम पहिलसे सहजिल हुइ कि नैहुइ ? यी प्रश्नके उत्तर खोज्न क्रममे सरकारके पाछेक सुधार प्रयाससे नयाँ आशा जगाइल बा । आब यकर औरे चरण छोट सुधार कार्यान्वयनहे कार्यालयके दैनिक संस्कारमे रूपान्तरण करना हो । सार्वजनिक प्रशासनसँग नागरिकके भारी अपेक्षा नैहो किल "सरकारी कार्यालयसे पेस करनापूर्व कागजात जाँच कैके कागज पुगल/नैपुगल ओ ओ नैपुगल कागज कैसिक कहाँसे नानल जानकारी कराडेहे, टोकन प्रणाली व्यवस्थित कैके लम्मा लाम लागे नैपरना व्यवस्था करे, बिनाकारण काम नारोके, कर्मचारीसे सेवाग्राहीहे नम्र ओ शिष्ट व्यवहार करे, एक कामके लाग कैचो कार्यालय धाइ नापरे" कना सामान्य अपेक्षा बा । आब राष्ट्रसेवकसे नागरिकके यी सामान्य अपेक्षा पूरा करना तत्परता देखैना अनिवार्य हुइल बा ।

समय फेन नागरिकके सम्पत्ति

सरकारी कार्यालयमे नागरिकसे बिटाइल समयहे फेन सार्वजनिक सेवाके लागतके रूपमे हेरेपरना रहठ । एक सामान्य प्रमाणपत्र वा सिफारिस लेना तीन चो कार्यालय धाइपरना यातायात खर्च किल नैबहठ, नागरिकके काम छुट्ठ, आम्दानी गुमठ ओ राज्यप्रतिके विश्वासमे समेत असर परठ । ओस्टेक 'एक चो आइलपाछे सेकटसम काम पूरा हुइना प्रणाली हमार सेवा संस्कार बने परठ ।' सेवा लेना आवश्यक कागजात, शुल्क, प्रक्रिया, अनुमानित समय ओ औरे चरणबारे पहिलचो जानकारी डेना व्यवस्था मिलाइ सेकि । कागजात अपूर्ण हुइल 'का नैपुगल, काहे चाहल, कहाँसे नानल ओ फेन कहाँ सम्पर्क करना' कना लिखित जानकारी डेहे सेकि । यी कार्य छोट प्रशासनिक परिवर्तन किल नाइहो नागरिकके समयप्रतिके सम्मान हो । सरकारी कार्यालयमे काम ढिला हुइना केवल प्रशासनिक समस्या नाइहो, उ कौनो नागरिक, व्यवसायी, संस्था वा समुदायके काम रोकल अवस्था हो, ओकर प्रत्यक्ष ओ अप्रत्यक्ष असर शासकीय ओ आर्थिक मूल्यके रूपमे देखा परठ ।

कार्यप्रक्रिया पुनर्संरचना कलेक पुरान प्रक्रियाहे कम्प्युटरमे सरना किल नाइहो । 'यी चरण काहे चाहठ ?', 'यी कागज काहे चाहठ ?', 'यी स्वीकृति केकर लाग हो ?', 'सरकारसँग पहिले हुइल सूचना नागरिकसे फेन काहे मागल ?' कना प्रश्न पुछ्के प्रक्रियाहे पुनः डिजाइन करना हो । यदि एक प्रमाणपत्र बनैना पाँच चरण आवश्यक बा कलेसे उहिनसे तीन चरणमे पुगे सेक्ना कि सेक्ना ? दुई सरकारी कार्यालयबिच हुइना सूचना आदानप्रदानके लाग नागरिकसे भौतिक रूपमे लैजाइपरना कागजहे डिजिटल माध्यमसे पठाइ सेक्ना कि नैसेक्ना ? एक विवरण कैचो मग्नके सट्टा एक चो संकलन कैके टमान सेवामे प्रयोग करे सेक्ना कि नैसेक्ना ? अइसिन प्रश्नके समाधान नीति कानुनमे सुधार नैकैके तत्काल सुधार करे सेक्जाइ । यी व्यवस्थासे सरकारप्रतिके नागरिक दृष्टिकोणमे सकारात्मक परिवर्तन नन्ना मद्दत पुगि ।

सरल ओ सहज सेवा प्रवाह

नेपाल डिजिटल सार्वजनिक सेवाओर महत्वपूर्ण आधार तयार करे सेकि । हाल टमान सरकारी तथा सार्वजनिक निकायके कैयौं अनलाइन सेवाके गेटवेके रूपमे नागरिक एप सञ्चालनमे रहल अवस्था बा । प्यान दर्ता, प्रहरी चारित्रिक प्रमाणपत्र, सवारीचालक अनुमतिपत्र, ट्राफिक जरिबाना भुक्तानी, श्रमसम्बन्धी सेवा, राष्ट्रिय परिचयपत्रलगायत सेवा एक डिजिटल माध्यमसे उपलब्ध करैना प्रयास हुइटि बा । यी महत्वपूर्ण उपलब्धि हो । जटिल प्रक्रियाहे डिजिटल प्रणालीमे रूपान्तरण किल कैके नागरिक 'डिजिटल झन्झट पैना अवस्था आइ नैडेना प्रक्रिया सरल बनाके डिजिटल सुधार' के काम आघे बह्नैना आवश्यक रहठ । सेवासँग सम्बन्धित सरकारसँग हुइल सूचना सरकारसे स्वतः प्रयोग करना व्यवस्था मिलैना तथा नागरिकसे भौतिक वा डिजिटल रूपमे फेन एक प्रमाण वा कागजात कैचो पेस करे नैपरना व्यवस्था तथा सेवा लेना कार्यालय आइ नैपरना, आइपरना फेन अइना चो घटैना मेरिक प्रक्रिया सरल बनाइ सेकि ।

प्रविधि, बजेट ओ संरचनासे फेन कर्मचारीके व्यवहार सार्वजनिक सेवाके सबसे महत्वपूर्ण पक्ष हो । नागरिकहे सम्मानपूर्वक सम्बोधन करना, ओकर बाट पूरा सुन्ना, सही काउन्टर देखाडेना, गलत ठाउँमे आइल नागरिकहे फर्काके किल नैपठाके सही ठाउँसम पुगैना, लक्षित समूह, ज्येष्ठ नागरिक तथा अपांगता हुइल व्यक्तिहे प्राथमिकता डेना- यी कामके लाग भारी बजेट आवश्यक नैपरठ मने यी कामके प्रभाव भारी रहठ । टबेमारे सेवा सुधारहे केवल प्रणाली सुधारके रूपमे नाइहो, कार्यसंस्कृति सुधारके रूपमे फेन हे परठ । कार्यालय प्रमुखसे दैनिक १५ मिनेट सेवा प्रवाहके समीक्षा करना, गुनासो ओ पेन्डिङ फाइल हेरना, भिड रहल ठाउँमे उपलब्ध जनशक्ति तत्काल परिचालन करना जस्टे व्यवस्थापनके अभ्याससे फेन उल्लेखनीय परिवर्तन नाने सेकि । 'काम हुइटिरहल बा कना किल मात्र पर्याप्त नैरहठ । नागरिकके अनुभव कत्रा बदलल ?' कना प्रश्नके उत्तर फेन खोजे परठ । ओकर लाग औसत प्रतीक्षा समय, अपूर्ण कागजातके कारण अइना सेवाग्राहीके संख्या, एक सेवाके लाग दोहोरल भ्रमण, गुनासो समाधानमे लग्ना समय ओ सेवाग्राही सन्तुष्टि जस्टे सरल सूचक प्रयोग करे सेक्जाइ । यिहिनसे सुधारहे अनुभूति किल नाइहो, तथ्यमे फेन आधारित बनाइठ । छोट सुधार अभियान अन्तर्गत पहिले कुछ दिनमे प्रमुख समस्या पहिचान, ओकरपाछे समस्याके तत्काल समाधानके उपाइ, प्रक्रिया सरलीकरण, कर्मचारी जवाफदेहिता तथा सुधारहे निरन्तरता डेना आवश्यक रहठ । यी अभ्यासहे प्रत्येक कार्यालयके नियमित व्यवस्थापन संस्कार बनैना आवश्यक रहठ ।

सुधारके अनुभूति सुशासन

सरकारके नीति, कार्यक्रम ओ अभियानके अन्तिम परीक्षा नागरिकके सरकारसे डेना सेवा प्राप्त करल अनुभव हो । शासकीय सुधारके एक सय कार्यसूची, सुशासन मार्गचित्र, शून्य बाँकी फाइल अभियान, *(बाँकी ३ पेजमे)*

सुस्तामे नारायणी नदीके कटान, भूमि जोगैना प्रयास

नवलपरासी, १३ भदौ । पश्चिम नवलपरासीके सुस्ता गाउँपालिका-५ स्थित नारायणी नदीपारीके ऐतिहासिक भूमि सुस्तामे नदीसे निरन्तर कटान करटि बा । नारायणी नदीके वेगसे यी वर्ष दिशा परिवर्तन करटि स्थायी तटबन्ध निर्माण हुइ नैसेकल क्षेत्रसे नेपाली भूमि कटान करल हो ।

भारतीय अवरोधके कारण ठेक्का सम्झौता हुइलेसे फेन निर्माण हुइ नैसेकल स्थानसे नदीसे कटान करटिरहल स्थानीय बटैले बटैं । नदीके कटान रोक्न अब्बे अस्थायी रूपमे बोरामे माटि भरके तटबन्ध निर्माण करनाके साथे 'प्रकुपाइन' (बाढके बेग नियन्त्रण करना त्रिभूज आकारके सिमेन्टके संरचना) ढैके नदीके वेग नियन्त्रण करना प्रयास हुइल बा ।

सावन महिनामे बस्तीमे भेल पेललपाछे कटान रोक्न स्थानीय बासिन्दा एक सातासे ढेर समय दिनरात नदी किनारमे श्रमदान करले रहैं । निरन्तरके श्रमदानसे स्थानीय समेत मिच्छागिल बटैं । अब्बे संघीय सरकार मातहतके सिँचाइ तथा जलस्रोत व्यवस्थापन आयोजना, चितवनसे दैनिक ज्यालादारीमे कामदार परिचालन कैके अस्थायी संरचना निर्माण करल बा । सुस्तामे नेपाल-भारतबिच लम्मा समयसे सीमा विवाद बा ।

भारत सीमाना दाबी करटिआइल 'भेल्लोरको रुख' समेत दुई हप्ता आगे नारायणी नदीके भेलसे बहैले बा । ओहे भेल्लोरके रुख लग्गेसम १३२ मिटर लम्मा तटबन्ध निर्माण करना योजना रलेसे फेन भारतके अवरोधके कारण काम आघे बहे सेकल नैहो ।

गैल वर्ष नदीसे कटान करल क्षेत्रमे संघीय सरकारसे ११ करोड ढेरके लागतमे एक किलोमिटर लम्मा तटबन्ध निर्माण करल रहे । उ क्षेत्रमे अब्बे नदी कटानके जोखिम डेखाइल नेहो । मने यी वर्ष नारायणी नदीके बहावके दिशा परिवर्तन होके तटबन्ध नैरहल क्षेत्रओर आइलओरसे सुस्ता उच्च जोखिममे परल हो । सुस्ता बचाउ अभियानके आदम हुसेन खाँ नदी सुस्तावासीसे लगाइल उखुबाली समेत कटान करे लागल ओरसे अप्ने आत्तल बटैलैं । "घाम लग्लेसे कुछ राहत हुइ, पानी टिकिल मन आत्तठ" उहाँ कलैं ।

सिँचाइ तथा जलस्रोत व्यवस्थापन आयोजना, चितवनके प्रमुख डा. नारायण सुवेदीके अनुसार अब्बे सुस्तामे करिब एक करोड रुपियाँके लागतमे अस्थायी तटबन्ध तथा प्रकुपाइन निर्माण कैके नदीके बहाव नियन्त्रण करना काम हुइल बा । "हम्रे दैनिक रूपमे यहाँ खटल बटि, सुस्ता भूमि बचैना प्रयासमे अब्बे टमान तरिका अपनाके बाढके वेग नियन्त्रण करना ओ सुस्ताओर बाढ छिरे नैडेना अस्थायी रूपमे रलेसे फेन बलगर संरचना बनैना काम हुइटि बा," उहाँ कलैं ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १९ आइगाउँ अवस्थित कित्ता नं. २४२ क्षेत्रफल ८४८.४४ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री मोतीकुमार सार्कीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः पदमबहादुर ठकुराठी | पश्चिमः ज्ञानबहादुर सार्की
उत्तरः सडक | दक्षिणः आफ्नै जग्गा

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेक्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोटः साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *-सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:
हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतबन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
वैयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एम्बुलेन्स नम्बर
९८३४६८९६१७, ९८४८४३७०१८, ९८१४६०८०४६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ४२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-४४०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-४२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२४७१
ईप्रका लम्की ०९१-४४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-४८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-४२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-४४०१२२
ईप्रका फल्दुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-४२९१४४
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४१०४
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-४६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-४१३२२
नवजिवन बैक ०९१-४२३६४३
कृषि विकास बैक ०९१-४२९२३४
मालिका विकास बैक०९१-४२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-४२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-४२४६४०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-४२१७८४
सिटिजन बैक ०९१-४२७४८४
कुमारी बैक ०९१-४२६०३८
सगराईज बैक ०९१-४२४८४०
नेपाल इन्भेसमेन्ट बैक०९१-४२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-४२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-४२११०१
जिल्ला विकास .०९१-४३२४६०
नगरपालीका .०९१-४२१४२९
मालपोत.०९१-४२१२०१, नापी शाखा.०९१-४६०४०२
कृषि विकास .०९१-४२२२४४, भूमि सुधार.०९१-४२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-४२११४२, नेपाल बाल संगठन: ४२३६६४

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-४२१२७१
नवजिवन ०९१- ४२१२३३/४२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३४३४
पद्मा धनगढी ०९१-४४०३४४
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-४४०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०१४०
ढकमल ९०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-४२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ४२१२३७, ४२३९७१
एम्बुलेन्स : ४२१६००
सामुहाधिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८४४७४४०
विद्युत : ४२११४४
दिनेश मेटल ०९१-४२१३९२

होटल
डिमोटी ०९१-४२३९१८/४२४९३१
जगदम्बा०९१-४२३४९०, विद्या०९१-४२३२७३
तरुण ०९१-४२४६९३, सनलाईट०९१-४२१४३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :४२०१४१
ज्ञानुप्लाजा०९१-४२२८३०/४२७९९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :४२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ४२४११४
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-४२१२४२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-४२६७०१

छाला उद्योगहे कच्चा पदार्थ अभाव

काठमाडौँ, १३ भदौ । नेपालमे आत्मनिर्भर अर्थतन्त्र निर्माणके बहस चललबेला भारी आर्थिक सम्भावना बोकल छाला उद्योग भर कच्चा पदार्थके अभाव ओ अव्यवस्थाके कारण ओझेलमे परल बा । देशभित्रे प्रचुर मात्रामे कच्चा पदार्थ उपलब्ध रलेसे फेन उचित संकलन ओ प्रशोधन हुइ नैसेक्के स्वदेशी उद्योगहे समस्या परल हो ।

छाला उद्योग महासंघके अनुसार नेपालमे छाला प्रशोधन उद्योगहे व्यवस्थित करे सेक्ना वार्षिक पाँच अर्ब रुपियाँसमके छालाजन्य वस्तु निर्यात करे सेक्ना सम्भावना बा । हाल मुस्किलसे वार्षिक ५० करोड रुपियाँ बराबरके किल निर्यात हुइटिरहल महासंघके महासचिव मोहम्मद जुनैद इफ्तिखार उल्लेख करलैं ।

हरेक वर्ष देशभित्रे करोडौँ रुपियाँ बराबरके जुत्ता, पेटी, झोला ओ पर्स आयात हुइल बा । औरेओर देशभित्रे लाखौँके संख्यामे खसीबोका, राँगाभैँसी वध हुइलेसे फेन ओइनके छाला उद्योगसम पुगे सेकल नैहो । कहुँ मासुसँगे छाला उपभोग करना ओ कहुँ संकलन तथा संरक्षणके अभावमे नष्ट हुइल ओरसे उद्योगसे कच्चा पदार्थके अभाव झेलटि बा । यकर दीर्घकालीन समाधान राज्यसे निकरना आवश्यक हुइना महासचिव इफ्तिखार बटैलैं ।

हाल नेपालमे सञ्चालित १२ ठो छाला उद्योग वार्षिक करिब दुई करोड वर्गफिट छाला प्रशोधन करटि बा कलेसे चार ठो हड्डी उद्योगसे करिब १७.८ हजार मेट्रिक टन हड्डीके धुलो उत्पादन करटि आइल बा ।

मासु जाँच ऐन कार्यान्वयनके सन्दर्भमे हुइल छलफलमे उद्योगीसे देशभित्रे उत्पादन हुइना सक्कु छाला ओ हड्डीके धुलो दाना उद्योगके लाग खपत करना प्रतिबद्धता व्यवसायी करले बटैं ।

कृषि, वन तथा पर्यावरण मन्त्रालयमे कार्यरत डा. मनोजकुमार शाही छाला तथा हड्डी व्यवसायीहे छालाके आयात प्रतिस्थापन करना प्रशोधित छाला ओ छालाजन्य वस्तुके उत्पादन देशभित्रे बह्दैना ऐनके प्रभावकारी कार्यान्वयनमे आघे बहल बटैलैं ।

वधशालामे आवश्यक परना उपकरण प्रयोग कैके वहाँसे निकरना छाला ओ हड्डीके बजार सुनिश्चितके व्यवस्था सरकारले करना आवश्यक रहना सुझाव व्यवसायी डेले बटैं । आन्तरिक छालाके माग पूर्ति करटि व्यवस्थित निर्यात करे सेक्लेसे छाला ओ हड्डी व्यवसाय राष्ट्रिय अर्थतन्त्रमे वार्षिक खबौं रुपियाँके योगदान पुगाइ सेक्ना व्यवसायी उल्लेख करले बटैं ।

एक महिनामे मुलुकभर ५० हजार राँगाभैँसी मासुके लाग खपत हुइना अनुमान छाला व्यवसायी महासंघके बा । उद्योगसँग मुस्किलसे १२ हजार थान किल छाला अइना करल बा । नेपालमे मासुसँगे छाला पकाके खैना हुइल ओरसे कम संख्यामे छाला उद्योगसँग आइल हो ।

ओस्टेक मासिक एक लाख हाराहारीमे खसी, बाख्राके वध हुइना करलमे मुस्किलसे उद्योगसम १५ हजार थान किल छाला पुग्न करल महासंघ उल्लेख करले बा । छाला खैलेसे टमान रोगके संक्रमण फैले सेक्ना ओ छालाहे उत्पादनमे जोरना अर्थतन्त्रमे योगदान पुगाइ सेक्ना छाला उद्योग महासंघ दाबी करले बा ।

१८४ जाने पर्यटकके उद्धार, ४२० जाने अभिन सम्पर्कविहीन

काठमाडौँ, १३ भदौ । बाढ प्रभावित क्षेत्रसे उद्धार करल ओ सम्पर्कमे आइल पर्यटकके संख्या १८७ पुगल बा । नेपाल पर्यटन बोर्ड पछिल्का तथ्यांक सार्वजनिक करटी उ बारे जानकारी डेहल हो ।

बोर्डके अनुसार १८४ पर्यटकके उद्धार हुइल ओ ३ जाने सम्पर्कमे आइल बटैं । अझिन ४२० पर्यटक सम्पर्कबाहेर बटैं ।

१० भदौमे आइल बाढके कारण रसुवागढी नाका हुइल कैलाश मानसरोवर यात्रामे जइना ढेर पर्यटक सम्पर्कविहीन हुइल रहिट । बोर्डके अनुसार उद्धार करलमे सबसे ढेर भारतीय ११४ जाने बटैं । ओस्टेक, दक्षिण कोरियाली २० जाने, चीनके २७ जाने, जर्मनी ओ माल्टाके ४/४ ओ अमेरिकी, इटालीके ३-३ जाने बटैं ।

बोर्डसे पछिल्का अवस्थाबारे जानकारी करैना बाढ प्रभावित जिल्लाके कुछ खण्डबाहेक अन्य सडक सूचारू हुइल समेत उल्लेख करले बा । यद्यपि यात्रामे जैना आघे मौसमबारे जानकारी लेनासमेत बोर्ड पर्यटकहे सूचित करले बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय

अमेरिका–चीनहे अवरोध हटैना वाङके आग्रह

काठमाडौँ, १३ भदौ । चिनियाँ विदेशमन्त्री वाङ यी आगामी महिना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ओ चिनियाँ राष्ट्रपति सी जिनपिङबिच सम्भावित शिखर वार्ताके तयारी हुइटिरहल बेला अमेरिका ओ चीनबिचके अवरोध हटैना आग्रह करले बटैं । उहाँ दुई देशबीचके सम्बन्धमे डेखाइल मतभेदहे उचित रूपमे व्यवस्थापन करटि उच्चस्तरीय संवादके लाग अनुकूल वातावरण बनाइपरना बटाइल बा ।

चिनियाँ सरकारी प्रसारण संस्था सिसिटिभीके अनुसार विदेशमन्त्री वाङसे बुधके रोज चीनके लाग अमेरिकी राजदूत डेभिड पड्युसँग भेटवार्ता करटि दुनु पक्षसे सकारात्मक विषयमे ध्यान केन्द्रित करना, मतभेदके उचित व्यवस्थापन करना ओ अनावश्यक हस्तक्षेप हटाइपरनामे जोड डेलैं । चीन-अमेरिका सम्बन्धसे और टमान जोखिम ओ चुनौती सामना करटिरहल स्वीकार करटि उहाँ दुई देशबिच उच्चस्तरीय आदानप्रदानके क्रममे डेखाइल अवरोध हटाइपरना बटैलैं ।

राष्ट्रपति ट्रम्प ओ राष्ट्रपति सी गैल मेमे बेइजिङमे भेटवार्ता कैके द्विपक्षीय सम्बन्धहे स्थिर ढरना तथा नाजुक व्यापार युद्धविराम कायम करना प्रतिबद्धता जनैले रहैं । ओकरपाछे राष्ट्रपति ट्रम्प राष्ट्रपति सीहे सेप्टेम्बर २४ मे अमेरिकामे भेटवार्ताके लाग आमन्त्रण करले बटैं । यद्यपि चिनियाँ राष्ट्रपतिके भ्रमणके निश्चित मिति सार्वजनिक हुइल नैहो ।

यीबिच अमेरिका ओ चीन एकऔरेविरुद्ध आर्थिक कदम चल्न भर जारी बा । अमेरिका चिनियाँ उत्पादनके रोबोट तथा चीनमे व्यापार ओ अन्य गतिविधिमे संलग्न अमेरिकी संस्थाउप्पर समेत प्रतिबन्ध लगैले बा । आर्थिक तथा व्यापारिक विवाद कायम रहल अवस्थामे दुनु देशके राष्ट्रपतिबिच सम्भावित शिखर वार्ताहे सम्बन्ध सुधारके महत्वपूर्ण अवसरके रूपमे हेरल बा ।

मलेसिया श्रमिक पठैना सिन्डिकेट

काठमाडौँ, १३ भदौ । मलेसिया श्रमिक पठैना विषयमे हुइल सिन्डिकेटविरुद्ध नेपाल वैदेशिक रोजगार व्यवसायी संघ कठोर होके प्रस्तुत हुइल बा । संद्धस मलेसियामे श्रमिक पठाइक लाग पाछेकचा छनोट हुइल २५ ठो वैदेशिक रोजगार कम्पनीविरुद्ध कठोर नीति लेके छ ठोमे तालाबन्दी करल हो ।

संघसे पत्रकार सम्मेलनमार्फत 'रिक्रुटमेन्ट एजेन्सी' मार्फत मलेसिया जैना नेपाली श्रमिकके लाग कुछ सीमित कम्पनी किल सूचीकृत कैके सिन्डिकेट करे खोजल कटि यकर विरुद्धमे कठोर हुइना बाध्य बनाइल जनैलैं ।

संघके अध्यक्ष डिकबहादुर खत्री सिन्डिकेटमे नाम जोरल कहल २५ ठो कम्पनीसँग स्पष्टीकरण लेहल ओ अँटेवारके रोज छ ठोहे कारबाही कैके सुरुवात करल जानकारी डेलैं । सीमित कम्पनीहे किल रोजगारीके पहुँच डेके बजारमे प्रतिस्पर्धा खुम्चना ओ ओकर प्रत्यक्ष असर अन्ततः नेपाली श्रमिकउप्पर परना जोखिम कटि उहाँ पाछेक कदम नेपालके रोजगारी ओ अर्थतन्त्रके लाग घातक हुइना टिप्पणी करलैं ।

अस्टेक संघके महासचिव हरि डाँगी विगतमे फेन मलेसिया रोजगारीमे टमान नाममे सीमित कम्पनी ओ संरचना खडा कैके श्रमिक पठैना प्रयास विवादित बनल स्मरण करटि आब वैदेशिक रोजगारीमे ओइसिन एकाधिकारवादी अभ्यास दोहोरे नैडेना तर्क करलैं । सरकारके नियम अनुसार दर्ता हुइल सब व्यवसायी कम्पनी स्वस्थ ओ स्वच्छ प्रतिस्पर्धामे मलेसिया श्रमिक पठाइ पाइपरनामे उहाँक जोड रहे ।

सरकार गम्भीर

शनिच्चर युवा, श्रम तथा रोजगार मन्त्रालय मलेसियाके पोर्टलमार्फत मलेसिया जैना नेपाली श्रमिकके लाग २५ ठो कम्पनीके सूची प्रकाशित कैके सिन्डिकेट (एकाधिकार) करे लागल कना विषयमे गम्भीर ध्यानाकर्षण हुइल जनैले बा । मन्त्रालयके अनुसार श्रममन्त्री रामजी यादव ओ नेपालके लाग मलेसियाके कार्यवाहक राजदूत मोहम्मद फिरदाउस आजमानबिच मन्त्रालयमे हुइल भेटघाटमे मलेसियामे श्रमिक पठैना सीमित कम्पनी छनोट करल विषयमे अपन गम्भीर सरोकार ढरलैं ।

भेटमे श्रममन्त्री यादव श्रम आप्रवासनसम्बन्धी दुई देशके मुद्दाहे आपसी द्विपक्षीय छलफल, परामर्श ओ सहमतिके आधारमे किल आगे बह्दैना मलेसिया सरकारसँग अनुरोध करल जानकारी करागिल ।

मन्त्रालयके प्रवक्ता एवं सहसचिव पीताम्बर घिमिरे द्विपक्षीय श्रम सम्झौतामे हुइल व्यवस्थाबमोजिम संयुक्त प्राविधिक समितिमार्फत अइसिन विषय छलफल ओ वार्तासे टुंग्याइ सेक्न विषयमे दुनु पक्षबिच आपसी समझदारी बनल जानकारी डेलैं । साथे उहाँ शनिच्चरके रोज पररा्ष्ट्र मन्त्रालयमार्फत मलेसिया सरकारहे पत्र पठैठि मलेसियामे श्रमिक पठैना कार्यमे विद्यमान प्रणालीहे निरन्तरता डेना औपचारिक अनुरोध करल फेन जानकारी डेलैं ।

उहाँक अनुसार नेपालसे अवलम्बन करल श्रम तथा रोजगारसम्बन्धी नीति, वैदेशिक रोजगार ऐन तथा नियमावली, द्विपक्षीय सन्धि सम्झौता ओ अन्तर्राष्ट्रिय कानूनके परिधिभित्रे रिहके दुई देशबिचके आपसी सहमतिमे उपयुक्त निष्कर्षमे पगे सेक्जाइ ।

सीमित व्यवसायीके दबाबमे मलेसियामे श्रमिक पठाइ पैना मेरिक सिन्डिकेट कार्यान्वयनमे नानल । मलेसिया श्रमिक पठैना देशके कुछ सीमित व्यवसायी कम्पनीके दबाबमे मलेसियाके मानव संसाधन मन्त्रालयसे शुकके रोज श्रमिक भर्नाके लाग नेपालसहित टमान देशके म्यानपावर व्यवसायी संस्था 'फरेन वर्कर सेन्ट्रलाइज्ड म्यानेजमेन्ट सिस्टम' (एफडब्लुसिएमएस) मे सूचीकृत करलसँगे सिन्डिकेट कार्यान्वयनमे आइल हो । उ प्रणालीमे सूचीकृत म्यानपावर कम्पनीमार्फत किल मलेसियामे विदेशी श्रमिक भर्ना करे पैना व्यवस्था करल बा ।

ओम्ने नेपालसे २५ ठो कम्पनी सूचीकृत करल बंगलादेशसे फेन २५, कम्बोडियासे २३, भारतसे १०, म्यान्मारसे १०, पाकिस्तानसे १०, फिलिपिन्ससे ४३५, श्रीलंकासे २५८, थाइल्यान्डसे एक ओ भियतनामसे ९१ ठो कम्पनी सूचीकृत हुइल बा ।

मलेसियाके मानव संसाधन मन्त्रालयसे रोजगारदातासे एफडब्लुसिएमएसमे सूचीकृत नैहुइल अन्य म्यानपावर कम्पनीमार्फत विदेशी श्रमिक भर्ना करे नैपैना स्पष्ट परले बा ।

छोट सुधार...

कार्य प्रक्रिया पुनर्संरचना, डिजिटल सेवा विस्तार ओ प्रशासनिक पुनर्संरचना जस्टे पहल नागरिकसे कार्यालयमे परिवर्तनके अनुभूति करलमे किल सार्थक रठैं । बदलटि नेपालहे आब केवल 'सरकारसे का घोषणा करी ?' कना प्रश्नसे नैपुगठ । नागरिकसे पुछल प्रश्न और सरल बा- 'मोर काम पहिलसे सहजिल हुइ कि नैहुइ ?' यी प्रश्नके उत्तर खोज्न क्रममे सरकारके पाछेक सुधार प्रयाससे नयाँ आशा जगाइल बा । आब यकर औरे चरण छोट सुधार कार्यान्वयनहे कार्यालयके दैनिक संस्कारमे रूपान्तरण करना हो । सार्वजनिक प्रशासनसँग नागरिकके भारी अपेक्षा नैहो किल "सरकारी कार्यालयसे पेस करनापूर्व कागजात जाँच कैके कागज पुगल/नैपुगल ओ ओ नैपुगल कागज कैसिक कहाँसे नानल जानकारी कराडेहे, टोकन प्रणाली व्यवस्थित कैके लम्मा लाम लागे नैपरना व्यवस्था करे, बिनाकारण काम नारोके, कर्मचारीसे सेवाग्राहीहे नम्र ओ शिष्ट व्यवहार करे, एक कामके लाग कैचो कार्यालय धाइ नापरे" कना सामान्य अपेक्षा बा । आब राष्ट्रसेवकसे नागरिकके यी सामान्य अपेक्षा पूरा करना तत्परता देखैना अनिवार्य हुइल बा ।

राष्ट्रियस्तरमे भारी परिवर्तन

सार्वजनिक प्रशासनके सफलता हम्रे कत्रा नयाँ भवन बनैलि, कत्रा नयाँ प्रणाली विकास करलि वा कत्रा निर्देशिका जारी करलि कनामे किल नैरहठ । सफलता टे नागरिकसे सरकारी सेवा लेना कत्रा कम समय खर्च करल, कत्रा कम दुःख पाइल, कत्रा स्पष्ट सूचना पाइल ओ राज्यप्रति कत्रा ढेर विश्वास करे लागल कनामे बा । टबेमारे आजके सार्वजनिक सेवा सुधारके मूल प्रश्न- 'हम्रे का नयाँ बनैलि ?' से फेन 'नागरिकके दुःख हम्रे कत्रा घटैलि ? वा सेवा प्रवाहमे सुधार हुइल अनुभूति कत्रा बह्ल' कना हो । एक छोट सुधारसे नागरिकके समय बचाइठ, खर्च घटाइठ, अनुभव बदलठ । अन्ततः यिहे अनुभवसे सरकार ओ नागरिकबिचके विश्वास बलगर बनाइठ । टबेमारे आबके सार्वजनिक प्रशासनके नयाँ संस्कार-पहिले नागरिकके आवश्यकता बुझि, ओकरपाछे कागजात ओ प्रक्रिया बुझाइ, अनावश्यक कागत, प्रक्रिया ओ समय हटाइ, आवश्यक बाट सरल बनाइ, छोट छोट सुधार निरन्तर करि कना हुइ परठ । यिहे छोट संस्कारसे छोट समयमे डेखैना परिवर्तन ओ दीर्घकालमे संस्थागत सुशासनके आधार निर्माण करे सेकि ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

गोरु पालक् लाग किसानहे सहयोग

पहुरा समाचारदाता

बाजुरा, १३ भदौ । परम्परागत कृषि प्रणालीमे गोरुनके प्रयोग तथा किसानहे गोरु पालनओर आकर्षित करक लाग बाजुराके एक सय ५६ किसानहे प्रतिकिसान पाँच हजारके दरसे प्रोत्साहन रकम उपलब्ध कराइल बा ।

प्रविधि तथा कृषि यान्त्रिकीकरण बह्दटी गैलपाछे गोरु पल्ना क्रम घटे लागल ओरसे किसानहे गोरु पालनमे प्रोत्साहित कैना उद्देश्यसे भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्रसे आर्थिक बरस २०८२/८३ के वार्षिक कार्यक्रमअन्तर्गत उक्त रकम उपलब्ध कराइल हो ।

प्रोत्साहन रकम पउइया किसानमे स्वामीकार्तिक खापर गाउँपालिकाके ३७, बडीमालिका नगरपालिकाके ३३, गौमुल गाउँपालिकाके ३२, बुढीनन्दा नगरपालिकाके १४, खप्तड छेडेदह गाउँपालिकाके १४, जगन्नाथ गाउँपालिकाके ११, हिमाली गाउँपालिकाके सात, त्रिवेणी नगरपालिकाके चार ओ बुढीगंगा

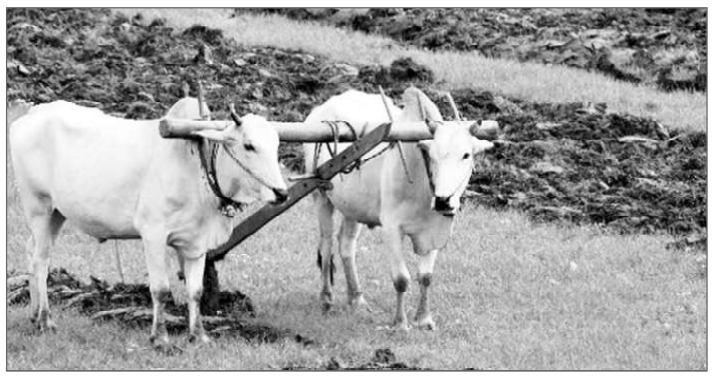

नगरपालिकाके तीन जाने रहल बटै ।

उक्त कार्यक्रमके लाग जिल्लाके नौ स्थानीय तहसे चार सय जाने आवेदन डेहल रहिट । आवश्यक कागजात जाँच कैके दुई सय जनहनहे छनोट करलेसे फेन असार २५ गतेसम एक सय ५६ किसान किल आवश्यक प्रक्रिया पूरा करलपाछे ओइनके बैंक खातामे प्रतिकिसान पाँच हजारके दरसे रकम भुक्तानी करल भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्रके प्रमुख सिद्धराज जैशी जानकारी डेलै ।

"घरमे एक हल गोरु पालके परम्परागत कृषि प्रणालीअनुसार खेती करटी रहल किसान तथा जिल्लाके विकट स्थानीय तहहे प्राथमिकता डेके छनोट कैके रकम उपलब्ध करैले बटी," उहाँ कहलै, "दुर्गम गाउँसे सदरमुकाम अइना सहज नैरहलहे सम्बन्धित पालिकामे आवश्यक कागजात बुझैना व्यवस्था करल रही ।" गत आर्थिक बरसमे सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे हल गोरु पालन करुइया किसानहे प्रोत्साहन कैना कार्यक्रमके लाग बाजुरामे रु १० लाख बजेट विनियोजन करल रहे ।

भोटेकोशीमे बारह्के जोखिम कायमे

काठमाडौँ, १३ भदौ । जल विज्ञान तथा जलस्रोत अनुसन्धान केन्द्रअन्तर्गतके बाढी पूर्वानुमान महाशाखासे रसुवाके भोटेकोशी क्षेत्रमे बारह्के जोखिम रहल जनैले बा ।

भोटेकोशी ओ त्रिशूलीमा हाल जलसतह सामान्य रहलेसे फेन उप्पर क्षेत्रमे लडिया ठुनके बनल टल्वा फुट्ना जोखिम रहल ओरसे लडिया किनारमे आवतजावत नैकैना ओ पूर्वसूचनामे ध्यान डेना महाशाखा आग्रह करले बा । महाशाखाके बाढीविद् विनोद पराजुली चीन सरकारसे प्राप्त सूचना तथा भू-उपग्रह तस्बिरके प्रारम्भिक विश्लेषणअनुसार भदौ १० गते बारह आइल स्थानमे लडिया ठुनके बनल टल्वाके आकार बह्दटी गैल ओ उक्त टल्वा फुट्ना जोखिम रहल जानकारी डेलै ।

"लडिया ठुनके बनल टल्वा बह्दटी गैल ओ फुट्ना जोखिम डेखल बा । टल्वा फुटलमे फेनसे पानीसँगे ढुङ्गा, माटी तथा गेग्रान बहके तल्लो तटीय क्षेत्रमे अचानक बारह् आइ सेक्ना जोखिन रहल बा," उहाँ कहलै, "भोटेकोशीमे बारह् आइलपाछे हाल भोटेकोशी ओ त्रिशूली लडियाके बहाव सतर्कता तहसे टरे रहलेसे फेन तल्लो तटीय क्षेत्रमे उच्च सतर्कता अपनैना आग्रह करल बा ।

बाढपीडितहे प्राकृतिक...

सामाजिक संस्था ओ नागरिकके सहकार्य महत्वपूर्ण हुइना करठ । प्रभावित नागरिकके तत्कालीन आवश्यकता पहिचान करके लक्षित परिवारसम राहत पुगाई सेक्लेसे विपद्के असर कुछ हदसम कम करे सेक्ना सरोकारवालाके कहाई बा ।

प्राकृतिक स्रोत द्वन्द्व रूपान्तरण केन्द्र नेपालसे प्राकृतिक स्रोत, समुदाय ओ विपद्सँग सम्बन्धित विषयमे काम करटी आइल जनैले बा । विपद्के समयमे मानवीय सहयोगहे प्राथमिकतामे रख्टी प्रभावित समुदायहे आवश्यक सहयोग उपलब्ध करैना उद्देश्यसे राहत सामग्री हस्तान्तरण करल संस्था जनैले बा ।

राहत सामग्री हस्तान्तरण कार्यक्रममे सहयोगहे प्रभावकारी रूपमे प्रभावितसम पुगैना विषयमे समेत छलफल हुइल रहे । बाढस प्रभावित परिवारके अवस्था बुझके आवश्यकताके आधारमे अइना दिनमे थप सहयोग ओ सहकार्य करेपर्नामे जोड डेहल बा ।

विपद्के समयमे करल यैसिन सहयोगस प्रभावित परिवारहे तत्काल राहत डेनाके साथे ओइनहे अपनेहुक्के ऐक्केली नैरहल अनुभूति करैना अपेक्षा करल बा । मानवीय संवेदनासहित कैना सहयोग ओ सामूहिक प्रयाससे विपदसे प्रभावित समुदायहे पुनः सामान्य जीवनओर लौटना थप हौसला पुग्न विश्वास करल बा ।

निजी अस्पतालहुकनसे...

सक्कुहुनके सामाजिक दायित्व रहल बटैलै । कैलाली अस्पतालके अध्यक्ष जनकराज जोशी प्राकृतिक विपत्तिके पीडामे मलम लगैना निजी क्षेत्रफे जिम्मेवार हुके आघे बह्देपर्ना बटैलै ।

उहाँ कहलै, "विपद् केक्रो व्यक्तिगत समस्या नैहो, यी सक्कुहुनके साझा पीडा हो । यैसिन कठिन समयमे राज्यहे सहयोग कैना हमार सामाजिक उत्तरदायित्वफे हो । अइना दिनमेफे आवश्यक सहयोगके लाग हम्रे तयार बटी ।"

रसुवामे आइल बाढसे भारी क्षति पुग्याइल अवस्थामे धनगढीके निजी अस्पतालसे देखाइल यी सहयोग स्वास्थ्य क्षेत्र केवल उपचारमे केन्ह सीमित नैहुके विपद्के समयमे मानवीय सेवामे समेत अग्रसर हुई परठ कना सकारात्मक सन्देश डेले बा ।

एडिबीसे छ्यहत्तर करोड अनुदान डेना

काठमाडौँ, १३ भदौ । एसियाली विकास बैंक (एडिबी) भोटेकोशी ओ त्रिशूली नदीमे आइल बाढपाछेक आपत्कालीन उद्धार तथा राहतके लाग करिब ७६ करोड रुपियाँ (५० लाख अमेरिकी डलर) उपलब्ध करैना हुइल बा । बैंकस शुक्के रोज प्रेस विज्ञप्ति जारी करटि उ अनुदान स्वीकृत हुइल जनाइल हो ।

एडिबीके 'एसिया प्यासिफिक डिजास्टर रेस्पोन्स फन्ड' से उपलब्ध करैना यी अनुदानसे खोज तथा उद्धारके सामग्री, चिकित्सा सामान, खाना, पिना सुरक्षित पानी, अस्थायी वासस्थान, सरसफाइके सामान, फोहोर तथा पहिरो पन्छैना काम, आपत्कालीन मर्मत ओ ढुवानी/व्यवस्थापनमे सहयोग पुगैना जनाइल बा ।

एडिबीके अध्यक्ष मासातो कान्डाले अपन सदस्य राष्ट्रके आवश्यकतामे एडिबी एकडम साथमे रहना बटाइल विज्ञप्तिमे उल्लेख बा । "यी रकमसे मनैन्हे खाना, पिना सुरक्षित पानी, वासस्थान, औषधी ओ अन्य अत्यावश्यक सहयोग पुगैना मद्दत करि," उहाँ कलैं ।

विपत्पाछेक आवश्यकता मूल्यांकन, पुनर्स्थापना योजना ओ सम्भावित पुनर्निर्माणके लाग एडिबी औरे कोषमार्फत थप एक लाख ५० हजार डलरसम उपलब्ध करैना प्रक्रिया आघे बह्दाइल फेन जनाइल बा । एडिबी यी आपत्कालीन अवस्थाके साथे पुनर्स्थापना ओ पुनर्निर्माणमे फेन सरकारसँग सहकार्य जारी करना उल्लेख करल बा ।

जनपुस्तकायसे पच्चीस हजार सहयोग

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १३ भदौ । भोटेकोशी बाढपीडितके राहत तथा पुनर्स्थापनाके लाग कैलाली जनपुस्तकालय धनगढी,कैलालीसे २५ हजार रुप्या सहयोग करले बा ।

बाढसे भारी जनधनके क्षति हुके कैयौँ परिवार पीडामे रहल बेला पुस्तकालयके प्रबन्ध समितिके बैठकसे भदौ १३, १४ ओ १५ गतेके अपन स्थापना दिवसके अवसरमे कैना टमान कार्यक्रम स्थगित करके बिपद प्रभावित क्षेत्रमे राहतके लाग रकम प्रदान कैना निर्णय करल पुस्तकालयके अध्यक्ष शिवराज ओझा जानकारी डेलै ।

उहाँ बिपद प्रभावित क्षेत्रमे उद्धार राहत ओ प्रतिकार्यके लाग सामाजिक उत्तरदायित्व अन्तरगत सहयोग कैना बटैलै ।

पुस्तकालयके ओरसे २५ हजार रुप्या नेपाल सरकारके 'प्रधानमन्त्री दैवी प्रकोप उद्धार कोष' अन्तर्गत आधिकारिक बैंक खाता नं मे जम्मा करल पुस्तकालयके प्रबन्ध समितिके कोषाध्यक्ष राजेन्द्र रैका बटैलै ।

रवीन्द्र ढाँट रोड टू यूएफसी सिजन-५ के फाइनलमे

काठमाडौँ, १३ भदौ । नेपाली मिक्स मार्सल आर्ट्स (एमएमए) फाइटर रवीन्द्र ढाँट रोड टू यूएफसी सिजन-५ के फाइनल पुग्न सफल हुइल बटैं । शुक्के रोज हुइल सेमिफाइनल खेलमे न्युजिल्याण्डके कासिब मोर्डोचहे हटाके उहाँ फाइनल पुग्न सफल हुइल बटैं ।

उहाँ अन्तिम चरणमे सानदार कमब्याक करटि फाइनल पुग्न सफल हुइल हुइटैं । तीन राउण्डके खेलमे रेफ्रीके डिसिजनके आधारमे रवीन्द्र विजयी हुइलैं । उहाँ आब फाइनलमे जापानके रियो ताजिमासँग प्रतिस्पर्धा करहि ।

विपद् जोखिम न्यूनीकरणको पूर्वतयारी गरौं

- बर्षाको समयमा बाढी पहिरो तथा चट्याङ्गको जोखिम हुन सक्छ,
- सम्भावित जोखिमको मूल्यांकन गरौं, सचेत बनौं,
- जोखिमयुक्त स्थानमा नबसौं, सुरक्षित स्थानमा बसौं,
- नदि किनारा वा भिरालो जमिनमा बसोबास भएकाहरु बिशेष सतर्क रहौं,
- सम्भावित जोखिमबाट बच्न आपतकालीन पूर्वयोजना बनाऔं,
- घर परिवार र छिमेकीहरूसँग मिलेर सुरक्षित स्थानको पहिचान गरौं,
- सम्पर्क बिन्दुहरु तय गरौं, सूचना प्रणालीमा आवद्ध होऔं,
- खाद्यान्न, पानी, प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट र आवश्यक औषधि आदि तयारी अवस्थामा राखौं,
- प्रकोप व्यवस्थापन तालिम तथा अभ्यासमा सहभागी बनौं,
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सुरक्षामा ध्यान दिऔं ।

कैलारी गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।
२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९